रहते थे और अधिकांश रूप से नवीन विचारों से अछूते थे परन्तु वे पुराने शासन के निकृष्टतम रूप के नहीं बल्कि उत्कृष्टतम रूप के प्रतिनिधि थे और उनकी व्यवस्था ने यूरोप को 40 वर्षों तक बड़े युद्धों से बचाये रखा था। सामान्यतः पुराने राजतंत्रों की वापसी का लक्ष्य इस ने पूरा किया और शक्ति के संतुलन के लिए पूर्वी यूरोप में एलेक्जेंडर की विस्तारवादी महत्वाकांक्षा को ब्रिटेन ने नियंत्रित किया। जर्मन क्षेत्र की पुनर्व्यवस्था में आस्ट्रिया और प्रशा को शामिल रखकर संतुलन बनाये रखने का प्रयास किया। इसके दूरगामी परिणामों में जर्मनी तथा इटली का एकीकरण भी था।

यह निर्विवाद है कि वियना कांग्रेस का एक ही लक्ष्य और एक ही सिद्धांत था - पिछले 25 वर्षों की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकना तथा यथास्थिति बनाये रखना। अंत में वियना कांग्रेस का एक बड़ा महत्व यह भी है कि यह पहला अवसर था जब कि यूरोप के सब राज्यों के प्रतिनिधियों ने एकत्र होकर एक समझौता किया। उसने अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए यूरोपीय व्यवस्था का संगठन किया। इसे हम प्रथम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन कह सकते हैं जिसकी आधारशिला पर पीछे चलकर राष्ट्र संघ और संयुक्त राष्ट्र संघ का निर्माण हुआ।

यूरोप के विभिन्न देशों पर वियना कांग्रेस का प्रभाव:

वियना संधि के बाद यूरोप की कूटनीति में रूस का महत्वपूर्ण स्थान हो गया। पोलैंड की प्राप्ति से पश्चिम यूरोप में रूस की शक्ति का अभूतपूर्व विस्तार हुआ। जार एलेक्जेंडर प्रथम अपने कार्यकाल में निरंतर विभिन्न देशों के सरकारों के बीच अपने प्रभाव के विस्तार के लिए उनके आंतरिक विषयों में हस्तक्षेप करता रहा। फ्रांस, प्रशा और जर्मनी रूस के पूर्ण प्रभाव में था। रूस के निरंतर बढ़ते हुए प्रभाव और फ्रांस के प्रति अविश्वास ने ही प्रमुख रूप से कैसलरे और मेटरनिख के बीच 1822 तक सहयोग और समन्वय का वातावरण तैयार किया।

संधि से पूर्व ही ग्रेट ब्रिटेन ने गियाना, डोडेलोप द्वीप उपनिवेश और माल्टा पर नियंत्रण प्राप्त कर अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के क्षेत्र में अपनी प्रमुखता को बनाये रखा

वियना संधि में उसने दास व्यापार पर रोक लगाकर सब राष्ट्रों की सहमति को प्राप्त किया। ~~आस्ट्रिया भी~~

आस्ट्रिया भी क्षेत्रीय स्तर पर विस्तृत रूप से लाभान्वित हुआ। इसका साम्राज्य बाल्टिक समुद्र से लेकर एड्रियाटिक और भूमध्यसागर तक फैल गया था। जर्मनी और इटली के राज्यों में Austria की प्रभुसत्ता पूर्ण थी तथा वियना की संधि से प्रशा की स्थिति काफी निर्बल हो गयी थी। जर्मन देश होने पर भी वह जर्मनी में Austria की प्रभुसत्ता को चुनौती नहीं दे सकता था। प्रशा की दुर्बलता का लाभ उठाकर रूस का भार उसपर निरंतर जारी रहा।

शक्ति संतुलन के दृष्टि से यह बात स्पष्ट है कि वियना की संधि ने किसी भी देश को इतना शक्तिशाली नहीं रहने दिया जैसे कि फ्रांस ने 20 वर्षों तक यूरोप में अपना सिक्का जमाए रखा था। एक अन्य दृष्टिकोण से भी वियना की संधि अन्य अंतर्राष्ट्रीय संधियों की अपेक्षा अधिक महत्वपूर्ण समझी जाती है 1853 तक यूरोप में कोई भी प्रमुख युद्ध नहीं हुआ। इतने वर्षों तक शांति रहने का एक प्रमुख कारण शक्तियों के बीच शांति बनाए रखने की भावना थी।

90- कांग्रेस ऑफ वियना, 1815 पर एक आलोचनात्मक निबंध लिखें

89- 1815 के वियना कांग्रेस के मुख्य निर्णयों की समीक्षा कीजिए। यूरोप के राज्यों पर इसका क्या प्रभाव पड़ा।

86- वियना कांग्रेस द्वारा किए गए कार्यों और इसके [illegible] का [illegible] रूप से वर्णन कीजिए।

80- वियना के कांग्रेस के सामने क्या मुख्य समस्याएं थी? [illegible] से [illegible] सीमा तक [illegible]